IVth Semester
संस्कृत साहित्य
महाकाव्य एंव नाटक

कार्यक्रम डिप्लोमासैद्धांतिकविषय: संस्कृतकक्षा बी.ए.
पाठयक्रम का शीर्षक--महाकाव्य एंव नाटक (चतुर्थ सेमेस्टर)

क्रेडिट मान6
अधिकतम अंक:100 कुल अंक40 + 60न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

पूर्वापिक्षा(Prerequisite) (यदि कोई हो) इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय संस्अध्ययन नजा/ बी.ए. (यदि कोई हो) प्रथम वर्ष प्रमाणपत्र उत्तीर्ण किया हो । इस पाठ्यक्रम को निम्नत्तिचिव विषयों के छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुना जा सकता है: - सभी के लिए उपलब्ध(Open For all)
पाठ्यक्रम अध्ययन कीपरिलब्धियां (CLO) 1 . छात्रों को काव्य विधाओं से परिचित कराना 2 . छात्रों को आश्रम के नियमों तथा गौ सेवा की महिमा का बोध कायमकराना। नाट्यशास्त्रीय तत्त्वों का ज्ञान4 . रंगमंचीय प्रयोग तथा नाट्यलेखन की विधा का परिचय ।3 . छात्रों में अभिनय कला का विकास तथा अभिरुचि संवर्धन ।4 . छात्रों को प्राचीन नाट्यकारों एवं उनकी कृतियों से परिचित कराना । छात्रों को जीवन मूल्यों एवं नैतिक दायित्व की शिक्षा प्रदान कराना ।

इकाई . 1- (अ) रघुवंशम्– द्वितीय सर्ग(पाठ्यांश की व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न) । (ब) महाकाव्य का स्वरूप एवं प्रमुख महाकाव्यों का परिचय(कुमारसम्भवम् रघुवंशम्किरातर्जुनीयम्, शिशुपाल वधम् नैषधीयचरितम्) |
इकाई . 2-नाट्यशास्त्रप्रथम अध्याय से नाट्योत्पत्ति एवं नाट्यप्रयोजन से संबंधित पाठ्यांशोंकी व्याख्या एवंआलोचनात्मक प्रश्नः ।
इकाई . 3-नाट्यशास्त्रके पारिभाषिक शब्द नान्दी, प्रस्तावना, सूत्रधार प्रवेशक, विष्कम्भक विदूषक, स्वगत, प्रकाश एवं भरतवाक्य।
इकाई . 4-अभिज्ञानशाकुन्तलम्प्रथम, चतुर्थ एवं पंचम अंक(पाठ्यांशो की व्याख्या एवं सम्पूर्ण नाटक समीक्षात्मक प्रश्न)
इकाई . 5-संस्कृत नाटक संस्कृत के प्रतिनिधि नाकाकार एवं उनकी कृतियों का सामान्य परिचय(भास, कालिदास, शूद्रक,विशाखदत्त , श्रीहर्ष, भवभूति एवं भट्टनारायण)

पाठ्य सामग्री: संदर्भ ग्रंथ

रघुवंशम्– द्वितीय सर्ग" (कालिदास रचित) आचार्य शेषराज शर्मा रेगनी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।"रघुवंशम् द्वितीय सगी श्री कृष्णमणी त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।"रघुवंशम् द्वितीय सर्ग– जयकिशन खण्डेलवाल, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा ।"नाट्यशास्त्रम् भरतमुनि प्रणीत) बाबूलाल शुक्ल, पौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।"अभिज्ञानशाकुन्तलम्"कालिदासकृत, कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।"संस्कृत नाटक– ए.बी.कीय– अनुवादक उदयभानु सिंह, मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी ।"संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास– डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी"संस्कृत साहित्य का इतिहास– आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

P.K.UNIVERSITY SHIVPURI M.P.

।"लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास"राम विलास चौधरी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।"नाट्यशास्त्र का इतिहास"– पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी । "आधुनिक संस्कृत नाटक आचार्य रामजी उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।"संस्कृत नाट्य सिद्धांत" -डॉ. रमाकांत त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।"संस्कृत नाट्य कोश"डॉ. राम सागर त्रिपाठी। – ॥ भाग चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।"संस्कृत नाट्य कला" -डॉ. रामलखन शुक्ल, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस दिल्ली । "नाव्यशास्त्रम्" (भरतमुनि) सत्यप्रकाश शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।"नाव्यशाख- प्रीति प्रभा गोयल राजस्थान ग्रंथागार जोधपुर । "नाव्यशाख"बाबूलाल शुक्ल, चौखम्बा संस्कृत संस्थान वाराणसी । अनुशंसित डिजिटल प्लाटफार्म वेब लिंक– ई– सोर्सेस, इपीजी पाठशाला संस्कृत, ई– पुस्तकालय संस्कृत, विकीपीडिया, ज्ञानगंगा, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान मैसूर,

---

P.K.UNIVERSITY SHIVPURI M.P.